08-2-2021 पत्रावली पेश। वादीया के वकील उपस्थित।
चूंकि प्रकरण में मूल वाद बहस हेतु नियत है। मूल वाद में निर्णय किया जाता है। अत: पत्रावली में आगे कोई कार्यवाही नहीं जानी है। अत: पत्रावली इसी स्तर पर ड्रोप की जाती है। पत्रावली फैसल शुमार होकर शामिल दफ्तर हो। पत्रावली मूल वाद के साथ नत्थी किया जावे।

Signature Not Verified

Digitally signed by Parwat Singh Chundawat
Date: 2021.06.17 18:28:12 IST
Reason: SelfAttested